एक नजर में

यातायात व्यवस्था सुधारने उतरी पुलिस

गुना। शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा व्यापक पैदल भ्रमण अभियान चलाया गया। डीएसपी यातायात मुकेश कुमार दीक्षित के पर्यवेक्षण में यातायात थाना प्रभारी अजय प्रताप सिंह ने पुलिस बल के साथ जगत होटल, गुरुद्वारा रोड, ममता डेयरी और लाहोटी मार्ग जैसे व्यस्ततम क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया।

एसपी ने ली अधिकारियों की विशेष बैठक

गुना। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में यातायात पुलिस की विशेष समीक्षा बैठक ली। बैठक में शहर की वर्तमान यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक उपायों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओल्ड ए.बी. रोड, विशेषकर बस स्टैंड क्षेत्र में नो पार्किंग में खड़े वाहनों के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जाए। ममता डेयरी और बेजू चौराहा क्षेत्र में हाथ ठेलों को व्हाइट लाइन के पीछे व्यवस्थित कराने तथा नगर पालिका के समन्वय से शीघ्र व्हाइट लाइन अंकित कराने की बात कही।

गुना में आवारा मवेशियों का आतंक, बछड़े को लगा करंट

बजरंगगढ़ के कानोन गांव के किसानों ने गुना-बीजी रोड पुल के नीचे गुपचुप छोड़ीं 30 गायें

नवभारत न्यूज

गुना 2 जुलाई का। जिले में खरीफ फसलों की बोवनी पूरी होने और खेतों से अंकुर फूटते ही अन्नदाता की चिंताएं एक बार फिर चरम पर पहुंच गई हैं। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा गाय और बैलों का भारी आतंक देखा जा रहा है, जो खेतों में घुसकर हरी-भरी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिन-रात मेहनत कर फसलों को सींचने वाले किसानों के सामने अब अपनी गाढ़ी कमाई को बचाने का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस समस्या के चलते अब ग्रामीण रातों-रात इन आवारा मवेशियों को गाड़ियों में भरकर या पैदल हांकते हुए शहरों और जंगलों की ओर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों में भी दुर्घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।

ऐसा ही एक गंभीर मामला बुधवार, 1 जुलाई की रात को सामने आया। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे बजरंगगढ़ क्षेत्र के ग्राम कानोन के कुछ किसान 25 से 30 आवारा मवेशियों को पैदल हांकते हुए गुना शहर की ओर ला रहे थे।

इतनी बड़ी संख्या में मवेशियों को शहर की ओर बढ़ता देख गुना के स्थानीय गौसेवक सक्रिय हो गए और उन्होंने हनुमान चौराहे के आगे किसानों को रोककर पूछताछ की। पूछताछ में ग्रामीणों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि ये मवेशी गांव में उनकी फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर रहे हैं, जिससे उनकी पूरी लागत डूबने की कगार पर है। परेशान होकर वे इन मवेशियों को बिलोनिया के जंगल में छोड़ने जा रहे हैं। मौके पर मौजूद गौसेवकों ने किसानों की समस्या को समझा, लेकिन उन्हें सलाह दी कि मवेशियों को शहर की ओर ले जाने के बजाय पास के ही बजरंगगढ़ के जंगलों में छोड़ देना ज्यादा सुरक्षित रहेगा।

शहरी क्षेत्र के लिए नासूर बनी समस्या

यह पूरी स्थिति साफ बताती है कि आवारा मवेशियों की समस्या अब ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के लिए एक बड़ा नासूर बनती जा रही है। जहां एक ओर ग्रामीण अंचल के किसान अपनी खून-पसीने की फसल बचाने के लिए रात भर जागकर पहरेदारी कर रहे हैं और मवेशियों को बाहर खदेड़ने पर मजबूर हैं, वहीं दूसरी ओर रातों-रात शहर में छोड़े जा रहे ये मवेशी नगरीय क्षेत्रों में सड़क हादसों और करंट जैसी घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। गुना के प्रबुद्ध नागरिकों और समाजसेवियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि सड़कों पर घूम रहे इन मवेशियों को सुरक्षित ढंग से गौशालाओं में भिजवाया जाए और इस गंभीर समस्या का कोई स्थायी और ठोस समाधान खोजा जाए।

बड़ी लापरवाही : हाट रोड पर बिजली के खंभे से गाय के बच्चे को लगा करंट

शहर में आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या और बिजली कंपनी की लापरवाही के कारण गुरुवार शाम एक बड़ा हादसा सामने आया। हाट रोड पर स्थित डॉक्टर वीरेंद्र के क्लिनिक के सामने, बिल्कुल बीच सड़क पर लगे एक बिजली के खंभे में अचानक करंट उतर आया। इसी दौरान वहां से गुजर रहा एक गाय का बच्चा (बछड़ा) उस खंभे की चपेट में आ गया और करंट लगते ही तड़पने लगा। गनीमत रही कि घटना के समय वहां मौजूद स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने तत्परता दिखाई और बछड़े को किसी तरह खंभे से दूर किया, जिससे उसकी जान बच सकी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह हाट रोड का सबसे व्यस्त इलाका है, जहां दिनभर सैकड़ों लोगों और वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। यदि समय रहते करंट बंद नहीं कराया जाता, तो किसी राहगीर या अन्य मवेशी की जान भी जा सकती थी। बारिश के इस शुरूआती मौसम में बिजली के खंभों में करंट उतरना बिजली विभाग के रख-रखाव के दावों पर बड़े सवाल खड़े करता है।

आदिश नगर के 100 परिवारों पर मंडराया बाढ़ का खतरा

नवभारत न्यूज

गुना। मानसून की शुरूआत होते ही वार्ड क्रमांक 21 स्थित आदिश नगर कॉलोनी के रहवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। कॉलोनी में जल निकासी की सुचारू व्यवस्था न होने और एक खेत मालिक द्वारा पानी का प्राकृतिक रास्ता रोके जाने के कारण यहां बाढ़ जैसे हालात बनने की आशंका पैदा हो गई है। इसी समस्या को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में कॉलोनी के रहवासी नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को शिकायती आवेदन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन देने पहुंचे रहवासियों ने बताया कि आदिश नगर कॉलोनी के पानी की निकासी एक नाले के जरिए होती है। लेकिन पिछले करीब तीन महीनों से एक स्थानीय खेत मालिक ने इस नाले के पानी को आगे जाने से रोक दिया है। इसके चलते कॉलोनी में अभी से ही पानी जमा होने लगा है। रहवासियों का कहना है कि यदि शहर में तेज बारिश होती है, तो पूरी कॉलोनी डूब क्षेत्र में आ जाएगी और 100 से अधिक परिवारों के घरों के भीतर पानी घुस जाएगा, जिससे भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान हो सकता है। कॉलोनी के लोगों में इस बात को लेकर भी गहरा आक्रोश है कि वे पिछले दो महीनों से लगातार सीएम हेल्पलाइन पर इस गंभीर समस्या की गुहार लगा रहे हैं। प्रशासन को समय रहते पूर्व सूचना दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

लापरवाही का आलम यह है कि बारिश का दौर शुरू होने के बाद भी लोग प्रशासनिक अमले के चक्कर काटने को मजबूर हैं। शिकायत सुनने के बाद गुरुवार को नगर पालिका के अधिकारियों ने रहवासियों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही टीम भेजकर मौके का मुआयना कराया जाएगा और जल निकासी का रास्ता साफ कराया जाएगा। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका अमला समय रहते जागता है या फिर कॉलोनी के डूबने के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी।

बमौरी के गांवों में तीन सब स्टेशन के लिए सिंधिया को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

गुना। बमौरी विधानसभा क्षेत्र के विकास और आमजन की सुविधाओं को लेकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह किरार ने क्षेत्रीय सांसद तथा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक मांग पत्र सौंपा है।

इस पत्र में क्षेत्र के तीन प्रमुख गांवों में नए विद्युत सब स्टेशन स्थापित करने और झागर उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत करने की महत्वपूर्ण मांग की गई है। यह पत्र उस समय सौंपा गया जब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्राम चक विश्वनगर में आयोजित एक जनसभा और ग्राम मूड़रा हनुमान में स्थापित सब स्टेशन के वर्चुअली लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान ही महेंद्र सिंह किरार ने सिंधिया से मुलाकात कर बमौरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर, परवाह, और उमरदा-भिड़रा में 33/11 केवीए के नए विद्युत सब स्टेशन स्थापित करने की आवश्यकता जताई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी 5 नवंबर 2025 को उन्होंने दिल्ली जाकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मुलाकात की थी और इस संबंध में पत्र सौंपा था। भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह किरार की इस जनहितैषी मांग को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बेहद गंभीरता से लिया।

जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह किरार के पत्र पर तोमर को दिए निर्देश

चक विश्वनगर (रत्नागिर) में विशाल सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मंच पर ही मौजूद मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रदुम्न सिंह तोमर को इस पत्र पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। इसलिए संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही इन गांवों को विद्युत सब स्टेशन की सौगात मिल सकती है।

मक्का की बोवनी करने जा रहे किसान को ट्रक ने रौंदा, मौत

एनएच-46 पर दर्दनाक हादसा, सर्विस रोड न बनने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

गुना। कैंट थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे 46 पर स्थित शांति ढाबे के पास गुरुवार दोपहर मक्का की बोवनी करने जा रहे एक 50 वर्षीय किसान की तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया।

जानकारी सामने आई है कि किसान भैरव सिंह लोधा मक्का का बीज लेकर हाइवे किनारे ही स्थित उमरिया में अपने खेत पर जा रहे थे। जहां उनका बेटा दुर्जन सिंह खड़ा था और पिता का इंतजार कर रहा था कि पिता बीज लेकर आएं तो बोवनी शुरू की जा सके। भैरव सिंह कुशमौदा से मोटरसाइकिल के पीछे मक्का का बीज बांधकर खेत के लिए रवाना हुए थे। खेत के नजदीक ही पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। परिजनों के अनुसार टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर पटाखे जैसी जोरदार आवाज हुई। यह आवाज कुछ ही दूरी पर खेत में खड़े बेटे दुर्जन के कानों तक भी पहुंची। अनहोनी की आशंका में जब बेटा दौड़कर हाईवे पर पहुंचा, तो वहां पिता का शव देख उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे प्रबंधन और प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस ब्लैक स्पॉट पर पहले भी खेत जाते समय दो लोगों की मौत हो चुकी है। बायपास के आसपास करीब 10 गांव स्थित हैं, जिनके किसानों को अपनी खेती-बाड़ी के लिए रोजाना जान जोखिम में डालकर हाईवे पार करना पड़ता है।

स्वीकृति के बावजूद नहीं बन सकी सर्विस रोड

स्थानीय लोगों और मृतक के परिजनों में सर्विस रोड न बनने को लेकर गहरा आक्रोश है। बताया जा रहा है कि यहां 7.5 मीटर चौड़ी सर्विस रोड के निर्माण के लिए करीब 1.33 करोड़ रुपए की राशि पूर्व में ही स्वीकृत हो चुकी है और टेंडर भी हो चुका है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते काम आज तक सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय पर सर्विस रोड बन जाती, तो आज एक मासूम परिवार का सहारा नहीं उजड़ता।

बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर नागरिकों को सिखाए साइबर ठगी से बचने के गुर

गुना। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे साइबर जनजागरूकता के विशेष अभियान सेफ क्लिक-2.0 के नवें दिन गुना पुलिस ने जिलेभर में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

एसपी हितिका वासल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों ने विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्थानीय बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सतर्क रहने के प्रति प्रेरित करना है। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने जिले के अलग-अलग अंचलों में मोर्चा संभाला। इसके अंतर्गत बजरंगगढ़ थाना पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी बजरंगगढ़, फतेहगढ़ थाना पुलिस द्वारा फतेहगढ़ बाजार, जामनेर थाना पुलिस द्वारा जामनेर बाजार, मधुसूदनगढ़ थाना पुलिस द्वारा ग्राम उकावद बाजार, सिरसी थाना पुलिस द्वारा ग्राम नयागांव और बमौरी थाना पुलिस द्वारा बमौरी बाजार में विशेष चौपालें और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही जिले के अन्य सभी थानों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारियों, दुकानदारों और ग्राहकों से संपर्क कर साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। आयोजनों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने वर्तमान में बढ़ रहे ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी और यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया ठगी, संदिग्ध फिशिंग लिंक और केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाले घोटालों की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। पुलिस ने नागरिकों को सचेत किया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी जैसे पासवर्ड या पिन साझा न करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी प्रलोभन या दबाव में आकर कोई वित्तीय लेन-देन न करें।

बाजारों और पीएम आवास कॉलोनी में चलाया विशेष जागरुकता अभियान

पीएम आवास के लिए भटक रहे पीड़ित गृहस्वामी मलबे में दबे

गुना। पहली ही बारिश ने नगर पालिका के दावों और प्रधानमंत्री आवास योजना की जमीनी हकीकत की पोल खोलकर रख दी है। शहर के गोपालपुरा इलाके में बुधवार दोपहर करीब 3 से 4 बजे के बीच हुई बारिश के दौरान एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। इस दर्दनाक हादसे में मकान मालिक प्रेम अहिरवार मलबे के नीचे दब गए, जिन्हें गंभीर चोटें आने के कारण इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के दौरान घर की रसोई और गृहस्थी का सारा सामान मलबे में दबकर पूरी तरह नष्ट हो गया है। पीड़ित परिजनों ने रोते हुए बताया कि वे पक्के मकान के लिए नगर पालिका के चक्कर काट-काटकर परेशान हो चुके हैं। कई बार आवेदन देने के बावजूद उन्हें आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका। यदि समय रहते प्रशासन ने सुध ली होती और उनका कच्चा मकान पक्का बन गया होता, तो आज यह हादसा नहीं होता। हादसे को 24 घंटे से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक पीड़ित परिवार को कोई तात्कालिक सहायता नहीं मिली है। बेघर हो चुका यह गरीब परिवार टूटे हुए मकान के मलबे से निकली लोहे की कुछ पुरानी टीनशेड के सहारे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। बारिश के मौसम में सिर छुपाने की जगह न होने से परिजनों के सामने गहरा संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा देने और पीएम आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत कराने की मांग की है।

मैरिज गार्डनों में अनिवार्य रूप से लगेंगे दो सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम से होंगे कनेक्ट : कलेक्टर

गुना। जिले के सभी मैरिज गार्डनों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। अब प्रत्येक मैरिज गार्डन में कम से कम दो उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर उन्हें सीधे पुलिस कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। इससे शादी-समारोहों के दौरान होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी और किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सकेगी। उक्त निर्देश कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मैरिज गार्डन संचालकों की विशेष बैठक में दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक हितिका वासल और अपर कलेक्टर अखिलेश जैन उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में अनुपस्थित रहे मैरिज गार्डन संचालकों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए नगरपालिका अधिकारियों को उन्हें तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संचालकों को पाबंद किया कि वे अपने गार्डनों में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, किचन में अग्निशमन यंत्र, स्वच्छता एवं ठोस कचरा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही पूरे गार्डन परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने, नगरपालिका के सहयोग से कचरे का नियमित निष्पादन करने और विवाह समारोह के दौरान पर्याप्त निजी सुरक्षा गार्ड एवं प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने सुरक्षा मापदंडों को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक मैरिज गार्डन में संचालकों को कम से कम दो 8 मेगापिक्सल क्षमता वाले नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। इन कैमरों की गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए जिससे रात के समय भी वाहनों के नंबर एवं अन्य गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कैमरों की स्थापना और पुलिस कंट्रोल रूम से कनेक्टिविटी में पुलिस विभाग तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा।

कैमरों का स्थान ऐसा निर्धारित किया जाए, जिससे गार्डन के प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग तथा आसपास के यातायात की प्रभावी निगरानी हो सके।

सार्वजनिक सूचना

मैं दीपेश पिता श्री गुलसिंह भिलाला, निवासी ग्राम बागुलिया, पोस्ट विशनवाड़ा, ब्लॉक बमौरी, जिला गुना (म.प्र.) ने शपथ पत्र क्रमांक 01012430062026002546 दिनांक 30/06/2026 द्वारा अपना नाम दीपेश भिलाला से बदलकर दिलीप भिलाला कर लिया है। आज के बाद मुझे दिलीप भिलाला के नाम से जाना जावे।

एडवोकेट सुभाष भिलाला
जिला एवं सत्र न्यायालय-गुना
मो.- 9644033465

पहली बारिश | **गुना जिला अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट की छत टपकने लगी, डस्टबिन की बदबू से मरीज बेहाल**

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी करोड़ों की इमारत

नवभारत न्यूज

गुना। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के दावों और सरकारी बजट की जमीनी हकीकत गुना जिला अस्पताल में खुलकर सामने आ गई है। करोड़ों रुपए की भारी-भरकम लागत से हाल ही में बनकर तैयार हुए जिला अस्पताल के नवनिर्मित क्रिटिकल केयर यूनिट की छत पहली ही हल्की बारिश में टपकना शुरू हो गई है। इसके चलते अति-संवेदनशील माने जाने वाले इस विभाग में भर्ती मरीजों, उनके अटेंडरों और ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्रिटिकल केयर यूनिट की दूसरी मंजिल पर स्थित ट्रॉमा वार्ड में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां छत से लगातार पानी टपक रहा है। टपकते पानी को रोकने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने वार्ड के भीतर ही जगह-जगह कचरे वाले डस्टबिन रख दिए हैं। हद तो तब हो गई जब इन डस्टबिनों में पहले से भरा कचरा समय पर खाली नहीं किया गया, जिससे अब पूरे वार्ड में असहनीय बदबू फैल रही है। गंभीर हालत में भर्ती मरीज और उनके परिजन इस सीलन और बदबू के बीच रहने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर और बुरा असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। बता दें कि कि कुछ ही महीनों पहले बड़े शोर-शराबे और तामझाम के साथ इस क्रिटिकल केयर यूनिट को शुरू किया गया था ताकि गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। लेकिन शुरूआती दौर में ही इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील विभाग की यह दुर्दशा व्यवस्थाओं पर बड़े सवाल खड़े करती है। इससे पहले भी इस विभाग में स्ट्रेचर के अभाव के चलते मरीजों की दुर्दशा की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। इतनी महत्वपूर्ण और संवेदनशील इमारत की छत का पहली ही बारिश में जवाब दे जाना सीधे तौर पर निर्माण कार्य में हुए बड़े भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण की ओर इशारा करता है। स्थानीय नागरिकों और मरीजों के परिजनों का कहना है कि सरकार द्वारा जनता की सुविधा के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा दिए गए और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। आमजन ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

युवक का शव मिलने से सनसनी मामले को एसपी ने माना संदिग्ध

गुना। मृगवास थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांसाहेड़ा इलाके में बीती देर शाम एक युवक का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटना स्थल पर जमा हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचित किया गया।

मौके पर पहुंची मृगवास थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त की कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान नैनकराम उर्फ आजाद, पुत्र नंदलाल गुर्जर के रूप में हुई है। पुलिस ने तत्काल मृतक के परिजनों को इस दुखद घटना की सूचना दी, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस संवेदनशील मामले को लेकर गुना पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मौत के असल कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ सकेगी, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर मामले की हर एंगल से तफ्तीश कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार वास्तु हाउसिंग फांइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ब्रांच गुना द्वारा, नीरज पाल के हित में ऋण प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र किऐ जा रहे है, उक्त प्रक्रिया में दस्तावेज जो विक्रेता विनोद शर्मा पुत्र श्री मदनमोहन शर्मा द्वारा, विक्रीत की भूमि प.ह.न. 07, सर्वे न0 165, 166/2 मिन, भूखण्ड क्र. 05, क्षेत्रफल 600 वर्गफुट, हर्षनगर कालोनी ईसागढ रोड से अन्दर की ओर ग्राम पछारी तहसील व जिला अशोकनगर, का विक्रय किया था, जो क्रेता श्रीमति ममता ठाकुर पत्नि श्री संतोषसिंह ठाकुर द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता0 क्र. 790 पुस्तक क्र. अ1/5240 दिनांक 28/05/2015 है, उक्त दस्तावेज (रजिस्ट्री) कहीं गुम हो गया हैं।

यदि किसी व्यक्ति को मिली हो तो कृपया मुझे प्रदान करें अथवा मुझसे संपर्क करें । उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करे या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेंदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो आज से सात दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करैं। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

सूचना कर्ता-
शलभ पारीक, एड्वोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना